



CK
21/81

भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 601]

नई दिल्ली, शुक्रवार, दिसम्बर 7, 1984/अग्राहायना 16, 1906

No. 601]

NEW DELHI, FRIDAY, DECEMBER 7, 1984/AGRAHAYANA 16, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

नई दिल्ली, 7 दिसम्बर, 1984

आदेश

का.आ. 926 (अ).—केन्द्रीय सरकार ने भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय, (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं. का.आ. 641 (अ) दिनांक 10 नवम्बर, 1978 द्वारा (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) वैस्ट बंगाल फार्मास्युटिकल डेवलपमेंट कारपोरेशन लिमिटेड, इलाको हाउस (दूसरी मंजिल) 1 और 3, ब्राबोर्न रोड, कलकत्ता-700001 को (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त प्राधिकृत व्यक्ति कहा गया है) मैसर्स डा. पाल लोहमान (इंडिया) लिमिटेड, कलकत्ता, नामक (सम्पूर्ण औद्योगिक उपक्रम कहा गया है) प्रबन्ध 10 नवम्बर, 1978 से प्रारम्भ होने वाली तीन वर्ष की अवधि के लिए ग्रहण करने के लिए प्राधिकृत किया था ;

और, केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का

आ० 793, (अ), तारीख 9 नवम्बर, 1981, सं० का० आ० 312 (अ) तारीख 8 मई, 1982, का० आ० 789 (अ), तारीख 9 नवम्बर, 1982, का० आ० 801 (अ), तारीख 10 नवम्बर, 1983, का.आ. 364 (अ), तारीख 8 मई, 1984, और का.आ. 825 (अ), तारीख 9 नवम्बर, 1984 द्वारा उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18चक के अधीन कलकत्ता उच्च न्यायालय की अनुशा से उक्त प्राधिकृत, व्यक्ति का उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध 9 दिसम्बर, 1984 तक जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, छः वर्ष और एक मास की अवधि के लिए करते रहने के लिए समय-समय पर निर्देश दिए थे;

और, केन्द्रीय सरकार ने, अपनी यह राय होने पर कि जन साधारण के हित में यह समीचीन था कि उक्त प्राधिकृत व्यक्ति उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध उक्त छः वर्ष एक मास की अवधि की समाप्ति के पश्चात् भी करता रहे, उक्त अधिनियम, की धारा 18चक की उपधारा (2) के परन्तुक के अधीन कलकत्ता उच्च न्यायालय को आवेदन किया था और उसमें ऐसे प्रबन्ध को पांच मास की और अवधि के लिए बनाए रखने के लिए प्रार्थना की थी ;

और, उक्त उच्च न्यायालय ने, अपने आदेश तारीख 5 दिसम्बर, 1984, द्वारा, उक्त प्राधिकृत व्यक्ति को उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध दो मास की और अवधि के लिए करते रहने की अनुज्ञा दे दी थी ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम, की धारा 18बक की उपधारा (2) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निर्देश देती है कि उक्त आदेश 8 फरवरी, 1985, तक जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, दो मास की और अवधि के लिए प्रभावी बना रहेगा।

[फा. सं. 4 (2)/80-सी. यू.एस.]

ए. पी. सरवान, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

New Delhi, the 7th December, 1984.

ORDER

S.O. 926 (E).—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 641(E), dated the 10th November, 1978 (hereinafter referred to as the said Order), the Central Government had authorised the West Bengal Pharmaceutical and Phytochemical Development Corporation Limited, Ilaco House, (2nd Floor), 1 and 3, Brabourne Road, Calcutta-700001, (hereinafter referred to as the said authorised person), to take over the management of the whole of the industrial undertaking known as Messrs Dr. Paul Lohmann (India) Limited, Calcutta (hereinafter referred to as the said industrial undertaking), for a period of three years commencing on the 10th November, 1978 ;

And, whereas, by the Orders of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) Nos. S. O. 793(E), dated the 9th November 1981, S.O. 312(E), dated the 8th May, 1982, S.O. 789(E), dated the 9th November, 1982, S.O. 801(E), dated the 10th November, 1983, S.O. 354(E), dated the 8th May, 1984 and S.O. 825(E), dated the 9th November, 1984, the Central Government with the permission of the High Court at Calcutta, under section 18 FA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), had from time to time directed the said authorised person to continue to manage the said industrial undertaking for a period of six years and one month, upto and inclusive of the 9th December, 1984;

And, whereas, the Central Government, being of the opinion that it was expedient in the interest of the general public that the said authorised person should continue to manage the said industrial undertaking after the expiry of the said period six years and one month, made an application under the proviso to sub-section (2) of section 18FA of the said Act to the High Court at Calcutta praying for the continuance of such management for a further period of five months ;

And, whereas, the said High Court, by its Order dated the 5th December, 1984 permitted the said authorised person to continue to manage the said industrial undertaking for a further period of two months ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (2) of section 18FA of the said Act, the Central Government hereby directs that the said Order shall continue to have effect for a further period of two months upto and inclusive of the 8th February, 1985.

[F. No. 4(2)/80-CUS]

A. P. SARWAN, Jt. Secy.